vkj- ,u- vkb- u- UPHIN/2010/32566 Mkd- ith;u- l[;k& SSP/LW/NP-311

अद्भुत समाचार

निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी साप्ताहिक
हर ख़बर पर पैनी नज़र

o"k Z % 12 vad % 43 y[kuÅ] lkeokj 21 Qjojh 2022 l 27 Qjojh] 2022 rd i"B&8 eY; % ,d :i;k

दंगा मुक्त यूपी के लिए एक बार फिर भाजपा को चुनें : योगी आदित्यनाथ

लखनऊ/लखीमपुर खीरी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को समाजवादी पार्टी (सपा) और बहुजन समाज पार्टी (बसपा) सहित अन्य विपक्षी दलों पर निशाना साधते हुए मतदाताओं से आह्वान किया कि दंगा मुक्त यूपी के लिए एक बार फिर भाजपा को चुनें। योगी ने आरोप लगाया कि वर्ष २००८ में अहमदाबाद में हुए सिलसिलेवार बम धमाकों में मौत की सजा पाने वाले एक व्यक्ति के पिता के सपा से संबंध ा हैं। लखीमपुर खीरी में भाजपा उम्मीदवारों के समर्थन में आयोजित चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए योगी ने सपा के शासन में यूपी में हुए दंगों की याद दिलाते हुए दावा किया कि भाजपा की सरकार में राज्य में एक भी दंगा नहीं हुआ। मुख्यमंत्री ने कहा कि बीते दिनों अहमदाबाद धमाकों के मामले में अदालत ने ऐतिहासिक फैसला सुनाते हुए दोषियों को फांसी की सजा सुनाई है और उन आतंकियों में से एक आजमगढ़ के संजरपुर का है। योगी ने आरोप लगाया कि उस आतंकी के पिता के संबंध सपा से हैं और वह पार्टी के लिए चुनाव प्रचार कर रहा है। उन्होंने जनसभा से सवाल किया कि समाजवादी पार्टी की इन आतंकियों के प्रति संवेदना क्यों है, जो लोग देश की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं, क्या जनता जनार्दन उनका समर्थन करेगी? जवाब में नहीं की आवाज आने पर योगी ने खीरी जिले के मतदाताओं से अनुरोध किया कि अधिक से अधिक संख्या में मतदान करने जरूर जाएं। खीरी की आठ विधानसभा सीटों पर चौथे चरण में २३ फरवरी को मतदान होना है। वर्ष २०१७ में भाजपा ने लखीमपुर खीरी की सभी आठ विधानसभा सीटों पर जीत

हासिल की थी, लेकिन पिछले साल तीन अक्टूबर को लखीमपुर खीरी के तिकोनिया गांव में चार किसानों की कार से कुचलकर हत्या के बाद इस मामले में केंद्रीय गृह राज्य मंत्री अजय मिश्रा के बेटे आशीष को गिरफ्तार किया गया था, उसे पिछले हफ्ते ही जमानत मिली है। योगी ने चुनावी रैलियों में अपनी सरकार द्वारा किसानों के लिए किए गए कार्यों का जिक्र किया। उन्होंने आस्था के पर्वों की चर्चा करते हुए आरोप लगाया कि २०१७ के पहले जब समाजवादी पार्टी की सरकार थी, तब राज्य में केवल सैफई (सपा प्रमुख अखिलेश यादव का पैतृक गांव) महोत्सव होता था और आयोजक भी उस महोत्सव का मतलब नहीं जानते थे, क्योंकि उसमें न थी, न भाव था। योगी ने कहा कि भाजपा की सरकार में अयोध्या में दीपोत्सव, मथुरा में रंगोत्सव और काशी में देव दीपावली जैसे आयोजन शुरू किए गए और हमारी आस्था का सम्मान हुआ। उन्होंने जनसभा में केंद्र और राज्य की 'डबल इंजन' सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं और उसके लाभार्थियों का आंकड़ा गिनाया और दोनों सरकारों की उपलब्धियों का ब्योरा दिया। सपा प्रमुख अखिलेश यादव पर निशाना साधते हुए योगी ने कहा कि वह वैक्सीन के बारे में दुष्प्रचार कर रहे थे और कहते थे कि भाजपा की वैक्सीन है, मोदी वैक्सीन है, लेकिन अगर यह वैक्सीन जान बचा रही है तो चाहे भाजपा वैक्सीन हो या मोदी वैक्सीन हो, हम समर्थन तो उसी का करेंगे। उन्होंने भीड़ से इसके लिए हामी भरवाई। मुख्यमंत्री ने कोरोनाकाल का जिक्र करते हुए कहा कि भाजपा के सांसदों, विधायकों और कार्यकर्ताओं ने संकट की इस अवधि में लोगों की खूब मदद की।

उत्तर प्रदेश में बड़े बहुमत से होगी भाजपा की जीत, ३०० से ज्यादा सीटें जीतेगी पार्टी : अमित शाह

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक दल अपनी–अपनी जीत का दावा कर रहे हैं। इसी बीच केंद्रीय गृह मंत्री और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कद्दावर नेता अमित शाह ने दावा किया कि उत्तर प्रदेश में एक बार फिर से योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली भाजपा की सरकार बनने वाली है। इसके साथ ही अमित शाह ने कहा कि प्रदेश में भाजपा को एक बार फिर से ३०० प्लस सीटों पर जीत मिलेगी। हिन्दी न्यूज चौनल न्यूज–१८ को दिए साक्षात्कार में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने यह दावा किया। इस साक्षात्कार का एक अंश न्यूज चौनल ने अपनी वेबसाइट पर अपलोड किया। हालांकि पूरा साक्षात्कार अभी सामने नहीं आया है। लेकिन सोमवार की शाम को सभी को पूरा साक्षात्कार देख सकते हैं। गृह मंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश में बड़े बहुमत के साथ भाजपा की सरकार बनने वाली है और पार्टी को ३०० से अधिक सीटें मिलेंगी। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश की जनता पिछले ३ चुनावों से भाजपा के साथ है और यहां पर कानून–व्यवस्था, गरीब कल्याण जैसे मुद्दे अहम हैं। उन्होंने कहा कि पिछली सरकारों में जातियों के आधार पर काम होता था लेकिन अब सभी के लिए काम हो रहा है। आपको बता दें कि उत्तर प्रदेश में तीन चरणों के चुनाव संपन्न हो चुके हैं और अभी चार चरणों के मतदान बाकी हैं। ऐसे में भाजपा दावा कर रही है कि तीनों चरणों में पार्टी ज्यादा–से–ज्यादा सीटें जीतने वाली है।

धर्म और जाति के नाम पर वोट मांगने वाले नेताओं से सावधान रहें : प्रियंका

लखनऊ/रायबरेली (उप्र)। कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव और उत्तर प्रदेश मामलों की प्रभारी प्रियंका गांधी वाद्रा ने रविवार को जनता से धर्म और जाति के नाम पर वोट मांगने वाले नेताओं से सावधान करने की अपील की। वाद्रा ने रायबरेली के जगतपुर में चुनावी जनसभा को संबोधित करते जनता से अपने हक के लिए जागरुक होने का आह्वान किया। वाद्रा ने कहा,'' एक तरफ प्रदेश में हुनर है, नौजवान हैं, उपजाऊ जमीन है, दूसरी तरफ किसानों की परेशानी, महिलाओं पर अत्याचार, बेरोजगारी, दलितों पर अत्याचार है। यह सब क्यों हो रहा है क्योंकि जो राजनीति आपके सामने आई है, वह सिर्फ आपको गुमराह करने वाली राजनीति है।'' वाद्रा ने कहा,'' जो नेता हैं, वे समझ नहीं रहे कि उनका काम क्या है। वे सोच रहे हैं कि पांच साल बाद यहां आएंगे, धर्म की बात करेंगे, आपके जज्बातों को उभारेंगे, आपको असुरक्षित महसूस कराएंगे, आपकी जाति की बात

करेंगे और आपका वोट पा लेंगे।'' कांग्रेस महासचिव ने कहा, कोई यह नहीं सोच रहा कि अगर मैं काम नहीं करूंगा, मैं छोटे दुकानदारों की मदद नहीं करुंगा, यहां की सड़कें नहीं बनाऊंगा, यहां के लिए शिक्षण संस्थान नहीं बनाऊंगा तो मुझे वोट नहीं मिलेगा, सब सोच रहे हैं कि धर्म, जाति के नाम पर आपसे वोट ले लेंगे।'' कांग्रेस नेता ने डीजल–पेट्रोल के बढ़ते दाम और महंगाई का जिक्र करते हुए,'' पश्चिमी उत्तर प्रदेश में गन्ने का उचित दाम नहीं मिलता और सबसे बड़ी समस्या लावारिस पशुओं की है जो आपके खेतों को चर रहे हैं।'' उन्होंने कहा,'' सरकार कह रही है कि वह आपको एक बोरा राशन दे रही है लेकिन जितना राशन दे रही है उससे ज्यादा तो जानवर खेतों में फसलें खा रहे हैं।'' उन्होंने आरोप लगाया,'' किसान के गन्ने का १६ हजार करोड़ रुपये बकाया है लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किसानों का बकाया दिलाने के बजाए दो हवाई जहाज अपने लिए खरीदे हैं और पूरी दुनिया में घूम रहे हैं।

मुख्यमंत्री योगी ने लखनऊ में किया रोड शो, बोले- ८० प्रतिशत सीटें जीत रही है भाजपा

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक दलों ने चुनावी प्रचार–प्रसार में अपनी पूरी ताकत झोंक रखी है। इसी बीच मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को लखनऊ के सरोजनी नगर इलाके में रोड शो किया। उन्होंने बताया कि यह चुनाव ८० बनाम २० का बन चुका है। समाचार एजेंसी एएनआई के मुताबिक, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उत्तर प्रदेश में भाजपा पूर्ण बहुमत के साथ सत्ता में आएगी। उन्होंने कहा कि ८० बनाम २० का यह चुनाव बन चुका है। ८० प्रतिशत सीटें भाजपा जीत रही है। २० प्रतिशत में सपा, बसपा और कांग्रेस में बंटवारा है, इसलिए भाजपा प्रचंड बहुमत के साथ प्रदेश में सरकार बना रही है। उन्होंने कहा कि ये जोश और जुनून, ये जनता का हुजूम बता रहा है। इस बार उत्तर प्रदेश में फिर से कमल खिलने जा रहा है। इससे पहले योगी आदित्यनाथ ने लखीमपुर खीरी के कस्ता विधानसभा क्षेत्र में एक जनसभा को संबोधित करते हुए समाजवादी पार्टी (सपा) पर निशाना साधा था। मुख्यमंत्री योगी ने कहा था कि तीसरे चरण के मतदान के बाद भाजपा को इतनी सीटें मिलेंगी कि सपा, बसपा, कांग्रेस की जमानत

जब्त हो जाएगी। पहले बिजली का राजनीतिकरण भी किया जाता था। ईद और मुहर्रम पर बिजली होगी लेकिन होली, दिवाली पर नहीं। लेकिन आज ऐसा कोई भेदभाव नहीं है। हम सबका साथ सबका विकास में विश्वास करते हैं।

सम्पादकीय

गैर कानूनी कार्रवाई का आदेश देने वाले अधिकारियों की जवाबदेही तय हो

अब न्यायिक परीक्षण से यह सिद्ध हो गया है कि नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) के विरोध में हुए आंदोलन के दौरान उत्तर प्रदेश में सार्वजनिक संपत्ति के हुए कथित नुकसान की भरपाई आंदोलनकारियों से करवाना गैर–कानूनी था। प्रमुख आंदोलनकारी कार्यकर्ताओं की तस्वीरें चौराहों और सड़कों के किनारे होर्डिंग पर लगाना भी ऐसी ही कार्रवाई थी, यह भी अदालती प्रक्रिया से साबित हो चुका है। इन दोनों बातों पर आरंभ से कानून और संवैधानिक भावना से परिचित लोगों ने जोर डाला था। लेकिन आज के दौर में सरकारें ऐसी बातों पर गौर नहीं करतीं। इसलिए साफ तौर पर जो कार्रवाई बदले की भावना से प्रेरित दिख रही थी, उस पर अमल किया गया। अब सुप्रीम कोर्ट में उप्र सरकार को खुद कहना पड़ा कि वह उपरोक्त आदेशों को वापस ले रही है। ये उसका तार्किक परिणाम है कि कोर्ट ने वसूली गई करोड़ों रुपये की संपत्ति लौटाने को कहा है। वर्तमान चुनावी माहौल में ऐसा होने में कितना वक्त लगेगा, यह कहना मुश्किल है। लेकिन प्रश्न है कि अगर भारत में आज भी कानून का राज है, तो क्या गैर कानूनी कार्रवाई का आदेश देने वाले अधिकारियों की जवाबदेही तय नहीं होनी चाहिए? और क्या ऐसी कार्रवाई का शिकार बने लोगों को मुआवजा नहीं मिलना चाहिए? आखिर लोगों ने भारी मुसीबतों के बीच पैसा का इंतजाम कर उसे जमा कराया होगा। फिर जो रकम दी गई, क्या उस पर अब सरकार को संबंधित अवधि का ब्याज नहीं देना चाहिए? और जिन लोगों की अपराधी के बतौर तस्वीरें लगाई गईं, उनकी प्रतिष्ठा की जो हानि हुई, आखिर उन मामलों में भी ये तमाम सवाल प्रासंगिक नहीं हैं। आज के माहौल में देश में विवेकसम्मत न्याय की आशाएं इतनी कम हो गई हैं और न्यायिक खरेपन की कसौटी इतना नीचे हो गई है कि ऐसे सवाल अब नहीं पूछे जाते। जो न्याय हो जाता है, उसे ही पर्याप्त समझ लिया जाता है। अगर गंभीरता से देखें तो इस अवस्था के लिए एक हद तक न्यायपालिका भी जिम्मेदार है। सच यह है कि एंटी सीएए प्रोटेस्ट या भीमा कोरेगांव मामलों में गिरफ्तार या कश्मीर में बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिकाओं से संबंधित मामलों की जल्द सुनवाई की जाए, तो संभव है कि कानून और संवैधानिक भावना के ऐसे उल्लंघन के कई मामले सामने आएंगे। लेकिन ऐसा लगता है कि शीघ्र न्याय के ऐसे तकाजे आज कहीं खो हो गए हैं।

चोरी के बढ़ते मामलों पर पुलिस मौन

लखनऊ। विधानसभा चुनाव– २०२२ को लेकर तीन चरण का मतदान हो चुका है। अब आगामी २३ फरवरी को राजधानी समेत प्रदेश के ०६ जिलों की ५६ विधानसभाओं चौथे चरण का मतदान होना है। चौथे चरण के मतदान को लेकर राजधानी पुलिस अपराधियों के खिलाफ एक्शन के मोड में है। पर बावजूद इसके राजधानी के चोर पुलिस को हाशिये पर रखकर पूरी तरह बेलगाम हो गए हैं। राजधानी में चोरी की वारदातें लगातार बढ़ती जा रही है। आलम ये है कि हर दिन चोर किसी न किसी बंद घर को निशाना बना रहे हैं। सिर्फ फरवरी माह में शहर में चोरी के १३ बड़े मामले प्रकाश में आए हैं। सभी में बंद घरों व दुकानों को निशाना बनाया गया है। चोरों की हिमाकत इतनी बढ़ चुकी है कि अब वे पुलिस और अधिवक्ताओं के घरों को भी निशाना बना रहे हैं। गत दो फरवरी को कृष्णा नगर थानांतर्गत खुशी विहार में चोरों ने पुलिस कांस्टेबल के घर से २५ तोला सोना, तीन किलो चांदी और २० हजार रुपये नगद की चोरी कर ली। वहीं गत २० फरवरी को नाका थानांतर्गत राजेंद्र विहार में अज्ञात चोरों ने अधिवक्ता के घर में घुसकर आलमारी एक लाख १० हजार नगद समेत लाखों रुपये के सोने–चांदी के आभूषण पार कर दिये। चुनाव को लेकर शांति व्यवस्था कायम रखने के उद्देश्य से मुख्यालय के निर्देश पर पिछले कई दिनों से राजधानी में थाना स्तर पर सघन तरीके से नाइट पेट्रोलिंग की जा रही है। सिर्फ इतना ही नहीं आचार संहिता के मद्देनजर देर रात तक वाहन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। इसके बाद भी चोर बेखौफ तरीके से घरों पर हाथ साफ कर रहे हैं। ऐसे में पुलिस की पेट्रोलिंग पर भी सवाल उठ रहे हैं।

शादी समारोह में करंट लगने से वेटर की मौत

लखनऊ। बिजनौर थानांतर्गत सरैया गांव में शादी समारोह के दौरान करंट लगने के कारण एक वेटर की मौत हो गई। मृतक की पहचान मलिहाबाद थानांतर्गत हसनापुर गांव निवासी शैलेंद्र रावत के रूप में हुई है। पुलिस की ओर से बताया गया कि मृतक शादी–पार्टियों में वेटर बनने का काम करता था। गत १६ दिसंबर की मध्य रात सरैया गांव में एक शादी समारोह में बर्तन धुलने के दौरान अचानक बिजली का तार टूटकर गिर पड़ा। जिसकी चपेट में आने से शैलेंद्र की मौके पर ही मौत हो गई।

पंद्रह वर्ष में पहली बार यह इकलौता ऐसा कालखंड है जिसम जेल में आजम, अतीक और मुख्तार : अमित शाह

लखनऊ। बेहतर कानून व्यवस्था को सुशासन का एक मापदंड बताते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि पिछली सरकारों में धर्म विशेष के अपराधियों के खिलाफ मुकदमा तक दर्ज नहीं होता था। भाजपा ने चेहरा और धर्म देखकर नहीं, बल्कि अपराध देखकर कार्रवाई की। प्रबुद्ध जन से संवाद करते हुए उन्होंने कानून व्यवस्था का उदाहरण दिया कि पंद्रह वर्ष में यह इकलौता ऐसा कालखंड है, जिसमें आजम खान, अतीक अहमद और मुख्तार अंसारी जेल में हैं। मोदी–योगी सरकार की तमाम उपलब्धियां गिनाते हुए शाह ने कहा कि भाजपा ने स्थिर सरकार दी है। प्रदेश को नंबर एक बनाने के लिए भाजपा को पांच वर्ष और दें, क्योंकि जातिवादी, परिवारवादी और तुष्टिकरण वाली सरकारें प्रदेश का भला नहीं कर सकतीं।लखनऊ के छावनी क्षेत्र में प्रबुद्ध जन संवाद में गृह मंत्री ने प्रदेश से अपना निकट का जुड़घव तब से बताया, जब २०१४ के लोकसभा चुनाव की कमान संभालने के लिए वह मई, २०१३ में प्रदेश प्रभारी बनकर आए। कहा कि यहां की समस्याएं इतनी जटिल नजर आती थीं, लेकिन तब तक गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में नरेन्द्र मोदी के सुशासन की महक देश में फैल चुकी थी। लोगों में विश्वास जागा कि यह व्यक्ति कुछ कर सकता है। भाजपा को प्रचंड जीत मिली। २०१३ तक देश की राजनीति ऐसे चलती थी कि लोग कहने लगे देश को श्पालिसी पैरालिसिसश हो गया है। उन्होंने सपा को निशाने पर लेते हुए कहा कि मोदी सरकार ने २०१४ से ही उत्तर प्रदेश को आगे ले जाने का यज्ञ–यत्न शुरू हुआ, लेकिन उसमें सबसे बड़ा रोड़ा राज्य सरकार थी।विकास योजनाओं को जाति–ध

र्म के सांचे में ढाल दिया। हर योजना का लाभ समुदाय विशेष को मिलता था। शाह ने कटाक्ष किया कि दो सिंचाई योजनाएं तो मेरी (शाह) उम्र से अधिक की हो गईं, लेकिन अधूरी थीं। जिस परियोजना का शिलान्यास तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने किया, उसका पत्थर तक गायब हो गया था, जिसे ढूंढकर लगवाया गया। उन्होंने कहा कि भाजपा ने पीएम मोदी के नेतृत्व में २०१७ का विधानसभा चुनाव लड़ा और ३२५ का प्रचंड बहुमत मिला।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के शासनकाल की सराहना करते हुए उन्होंने दावा किया कि भाजपा ने अपने घोषणा पत्र के ६२.६ प्रतिशत वादे पूरे किए। राजनीति से अपराधीकरण और प्रशासन का राजनीतिकरण खत्म करते हुए स्थिर सरकार दी। न पांच वर्ष तक टांग खिंचाई हुई, न मुख्यमंत्री बदलने पड़े और ना ही मंत्रिमंडल में ज्यादा फेरबदल हुआ। सपा और कांग्रेस पर तंज कसा कि स्थिरता तो पीढ़ियों से कांग्रेस और सपा में भी है, लेकिन परिवार तक सीमित है। अमित शाह ने कानून व्यवस्था, आधारभूत ढांचे के विकास, औद्योगिक विकास, अर्थव्यवस्था, ईज आफ डूइंग बिजनेस, रोजगार, कोरोना प्रबंधन आदि की उपलब्धियों का विस्तार से बखान किया।प्रबुद्ध जन से कहा कि सिर्फ वोट का प्रश्न नहीं है। इस विकास यात्रा में आपका मन से जुड़ना महत्वपूर्ण है। सरकार बनने पर उसे चला तो कोई दल सकता है, लेकिन जनता में आकांक्षा, उत्साह और विश्वास जगाना अहम है, जो कि मोदी–योगी सरकार ने किया है। अतिथियों का स्वागत उपमुख्यमंत्री डा. दिनेश शर्मा ने किया। आभार कार्यक्रम संयोजक सांसद संजय सेठ ने जताया। मंच पर केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर और विधि मंत्री व लखनऊ छावनी से भाजपा प्रत्याशी ब्रजेश पाठक भी थे।

नाम समाजवादी, काम आतंकवादी और सोच परिवारवादी : सीएम योगी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को चुनावी जनसभाओं में सपा पर तीखा हमला बोला। कहा कि इनके नाम और काम में बहुत अंतर है। इनका नाम समाजवादी, काम आतंकवादी और सोच परिवारवादी है। ये दंगावादी और तमंचावादी भी हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि गुजरात की अदालत ने ३८ आतंकवादियों को फांसी और आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। उन्होंने एक आतंकवादी के पिता को सपा का प्रचारक बताकर अखिलेश पर तंज कसते हुए कहा कि वह अपने चाचा शिवपाल को तो कुर्सी नहीं देते, लेकिन आतंकवादियों को सिर पर ढोते फिरते हैं, ताकि वे प्रदेश की जनता की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ कर सकें।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रेउसा, महमूदाबाद, मिश्रिख और पीलीभीत के पूरनपुर एवं बीसलपुर विधानसभा क्षेत्रों में जनसभाओं को संबोधित करते हुए भाजपा सरकार की उपलब्धियों का भी बखान किया। प्राथमिकताएं स्पष्ट करते हुए कहा कि हमने तय किया है कि एक हाथ से विकास कराएंगे और दूसरे से माफिया, आतंकियों और दंगाइयों की छाती पर बुलडोजर चढ़ाने का भी काम करेंगे। दोनों काम साथ चलेंगे। उन्होंने लोगों से सवाल पूछते हुए कहा कि अब होली–दीपावली में बिजली मिलती है या नहीं? यह भी बोले कि होली, दीपावली हो या फिर ईद–मुहर्रम भाजपा सरकार में सबको समान

रूप से बिजली आपूर्ति हो रही है। पीलीभीत में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अहमदाबाद सीरियल ब्लास्ट मामले का हवाला देते हुए समाजवादी पार्टी को आतंकियों की संरक्षणवादी पार्टी बताया। कहा कि पूर्व की सपा सरकार में आतंकियों के मुकदमे भी वापस लिए गए थे। उन्होंने कहा कि सपा सरकार में अराजकता, सत्ता प्रायोजित दंगे, अपराध व अराजकता होती थी। प्रदेश में चारों ओर अराजकता थी। अन्नदाता किसान आत्महत्या करता था। व्यापारी तबाह, नौजवान बेरोजगार था।भाजपा सरकार आने के बाद पांच साल में एक भी दंगा नहीं हुआ। महिलाओं व व्यापारियों का उत्पीडन नहीं होने दिया। कहीं कर्फ्यू नहीं लगा, कांवड़ यात्राएं निकलीं। अहमदाबाद सीरियल ब्लास्ट में कोर्ट के फैसले का जिक्र करते हुए बोले कि फैसले से साबित हो गया कि सपा आतंकवादियों को समर्थन देती थी। नारे पर तंज कसा कि यही नई सपा है और नई हवा है। सपा सरकार ने दर्जन भर आतंकी मुकदमों को वापस लिया। अयोध्या, बिजनौर, लखनऊ, वाराणसी, गोरखपुर में आतंकी हमले हुए, सपा आरोपितों की पैरवी करती थी।

सीएम योगी ने जनसभा को संबोधित करते हुए सपा पर बोला हमला कहा, यह समाजवादी पार्टी नहीं, यह दंगावादी पार्टी है

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुजरात के अहमदाबाद में वर्ष २००८ में हुई आतंकी घटना को लेकर वहां के न्यायालय के फैसले के बाद समाजवादी पार्टी पर निशाना साधा। कहा कि सीरियल ब्लास्ट हुए थे। दर्जनों लोग मारे गए थे। उस सीरियल ब्लास्ट में शामिल कुछ आतंकियों का संबंध आजमगढ़ से था। कुछ आतंकवादियों को फांसी तो कुछ को आजीवन कारावास की सजा हुई है। जिन्हें सजा हुई है, उनका संबंध समाजवादी पार्टी से है। समाजवादी पार्टी नहीं, यह दंगावादी पार्टी है। इनका नाम समाजवादी, काम दंगावादी और सोच केवल अपने स्वयं के परिवार तक सीमित है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शुक्रवार शाम मध्य विधानसभा क्षेत्र के बालू अड्डे में भाजपा प्रत्याशी रजनीश गुप्ता के समर्थन में जनसभा को संबोधित कर रहे थे।मुख्यमंत्री ने कहा कि विकास की सोच न होने के कारण पूरे प्रदेश को अराजकता की भट्टी में झोका गया। उसकी कीमत को लंबे समय तक प्रदेश ने चुकाया है। आज आप देख सकते हैं कि पांच साल में यूपी के अंदर कोई दंगा नहीं हुआ। दंगाईयों को मालूम है कि दंगा करेंगे तो अगले दिन उनके पोस्टर चौरोहे पर छपेंगे और तीसरे दिन घर में नोटिस पहुंच जाएगी। पांच वर्ष में प्रदेश में कोई आतंकी घटना नहीं घटित हुई, क्योंकि आतंकियों को मालूम है अगर किसी ने आतंकी घटना को अंजाम दिया। न केवल आतंकवादी की ही नहीं उसके प्रश्रयदाता का क्या हाल होगा यह सोचकर भारत विरोधी

गतिविधियों में लिप्त लोगों की रूहें कांप जाती होंगी। वर्ष २०१७ के पहले प्रदेश को जाति के नाम पर, क्षेत्र और मत और मजहब के आधार पर यहां के सामाजिक ताने बाने को इतना छिन्न भिन्न कर दिया गया था, कि हर तीसरे दिन एक दंगा होता था। महीनों कर्फ्यू लगा रहता था।बाजारों में बमबाजी होती थी। गुंडागर्दी का नग्न तांडव होता था। पहले गरीबों का पैसा इत्र वाले मित्र के घर पहुंच जाता था। विकास के नाम पर डकैती डाली जाती थी। गरीब देखता रह जाता था और कल्याणकारी योजनाओं का बंदरबांट हो जाता था। पहले महोत्सव के नाम पर भददा मजाक होता था। आज दीपोत्सव होता है। यूपी के अंदर समाजवादी पार्टी की सरकार के समय पांच साल में केवल १८ हजार गरीबों के मकान स्वीकृत हुए थे। किसी गरीब, दलित को मकान नहीं मिला था। पांच वर्ष के दौरान भाजपा की डबल इंजन की सरकार ने प्रदेश के अंदर ४५ लाख ५० हजार गरीबों को एक–एक आवास उपलब्ध कराया है। यहीं नहीं २.६१ करोड़ लोगों को शौचालय , १.२१ लाख मजरों तक विद्युतीकरण कर २३ लाख परिवार को बिजली दी।कोरोना प्रबंधन को दुनिया ने सराहा है। अभी एक करोड़ टैबलेट बांटे हैं युवाओं को। सरकार बनने पर १० मार्च के बाद दो करोड़ और लोगों को टैबलेट बांटेंगे। लोग कोरोना वैक्सीन के खिलाफ दुष्प्रचार करते थे। आज वैक्सीन के कारण तीसरी वेव कब आए कब चली गयी यूपी के अंदर किसी को पता नहीं चला। सीएम ने यह भी कहा कि यूपी की भाग्यविधाता विधानसभा लखनऊ मध्य क्षेत्र में आता है। यहां आजादी के ७० साल बाद भी बिजली के तार लटकते थे। सड़कें जर्जर थीं। यहां तनाव का माहौल रहता था। आज यह शहर और मध्य विधानसभा क्षेत्र स्मार्ट सिटी में शामिल हो गया है। यूपी में १५ करोड़ गरीब जनता को डबल डोज और फ्री राशन उपलब्ध करा रहे हैं।

साथियों की प्रताड़ना से त्रस्त होकर आटो पार्ट्स व्यवसायी ने थी आत्महत्या

लखनऊ। आलमबाग की श्रम विहार कालोनी में बीते शुक्रवार को हुई आटो पार्ट्स व्यवसायी एवं वीसी संचालक मुकेश गौड़ ने साथियों की प्रताड़ना से त्रस्त होकर आत्महत्या की थी। यह आरोप लगाते हुए आत्महत्या करने से पहले मुकेश ने मोबाइल पर एक वीडियो बनाया था। रविवार को मुकेश के मोबाइल में वीडियो मिलने के बाद पत्नी पूनम ने उनके आठ साथियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पूनम के मुताबिक पति को सभी आठ लोगों को प्रति व्यक्ति के हिसाब से ३० से ५० हजार रुपये के बीच देने थे। लेकिन यह लोग अपनी दो से चार लाख रुपये प्रति व्यक्ति देनदारी निकाल रहे थे। इस कारण पति परेशान थे। रुपयों को लेकर उक्त लोग धमकी दे रहे थे।पूनम के मुताबिक पति को लंबे समय से आजादनगर के रहने वाले नरेंद्र सिंह, आलोक सोनकर, मो. चांद, पप्पू महाजन, मो. बसीर, मो. इरशाद, मो. जाहिद और अशफाक प्रताड़ित कर रहे थे। यह लोग पति के साथ कमेटी बनाकर वीसी में रुपये लगाते थे। इन लोगों का पति से विवाद हो गया था। इसके बाद प्रति व्यक्ति के हिसाब से दो से चार लाख रुपये पति पर उधारी बता रहे थे, जबकि इन पर पति की देनदारी ३० से ५० हजार रुपये थे। पति इस कारण परेशान थे। बीते गुरुवार को इन लोगों ने रात ११ बजे पति को फोन कर धमकाया और कहा कि सुबह किसी भी हाल में रुपये मिल जाने चाहिए। इस कारण से पति बेहद परेशान थे।शुक्रवार सुबह उठते ही उन्होंने जहरीला पदार्थ खा लिया। पति की हालत बिगड़ गई। पति को आनन फानन अस्पताल ले जाया गया। जहां उनकी मौत हो गई। मौत के बाद अंतिम संस्कार कर दिया गया। पति का मोबाइल गायब था। रविवार को जब मोबाइल मिला तो उसमें एक वीडियो मिला। वीडियो में पति ने उक्त लोगों पर प्रताड़ना का आरोप लगाया। पूनम ने बताया कि पति की आटो पार्ट्स की दुकान थी। आरोपित उसे भी नहीं खोलने दे रहे हैं। बीते बुधवार को उक्त लोगों ने चारबाग में देवर योगेश और विवेक को भी धमकाया था। पूनम ने बताया कि पति ही इकलौते कमाने वाले थे। तीन बेटी और एक बेटा है। अब घर खर्च चल पाएगा। पीड़िता ने आलाधिकारियों से न्याय की गुहार की है। इंस्पेक्टर आलमबाग अनिल सिंह ने बताया कि आरोपितों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

सेना के अफसर को धमकी

लखनऊ। रेलवे के कुछ अफसरों के कैबवे संचालक को मिले प्रश्रय का नतीजा रहा कि रविवार को एक बार फिर एक परिवार उसके गुर्गों की अभद्रता का शिकार हो गया। परिवार साथ जा रहे सैन्य अफसर को कैबवे के पहले रोक लिया गया। सैन्य अफसर गुर्गों को जब उनकी अभद्रता बढ़ने पर अपनी पहचान बताने लगे तो उनको कहा गया कि यह धनंजय सिंह का ठेका है। आपको देख लेंगे। कुछ देर बाद गुर्गे ने फोन करके एक भईया को बुला लिया। काली सफारी से आए इस व्यक्ति ने भी सैन्य अफसर के साथ बदतमीजी की। इससे पहले पिछले महीने ही एक लोको पायलट की इसी कैबवे के दौरान उसके गुर्गों ने जमकर पिटाई कर दी थी। घटना दोपहर करीब साढ़े तीन बजे की है। सेना में कर्नल अपनी पत्नी को शताब्दी एक्सप्रेस पर छोड़ने लखनऊ जंक्शन आ रहे थे। कैबवे पहुंचते ही टोकन लेकर तीन गुर्गे कार के सामने खड़े हो गए। आगे की सीट पर उनकी पत्नी भी बैठी थीं। सैन्य अफसर ने जब इस तरह जबरन कार रोके जाने पर कहा कि यह तरीका गलत है। मैं सेना का एक जिम्मेदार अफसर हूं। इस पर गुर्गों और सैन्य अफसर में विवाद होने लगा। एक गुर्गा सैन्य अफसर का वीडियो बनाने लगा। इस पर सैन्य अफसर ने आपत्ति दर्ज की तो गुर्गे ने फोन करके कार में बैठे व्यक्ति को भी बुला लिया। सैन्य अफसर ने उस व्यक्ति से भी इस तरह की बदतमीजी की शिकायत की। तब ही एक गुर्गे ने सैन्य अफसर को कहा कि यह ठेका धनंजय सिंह का है। आपको देख लेंगे। कुछ यात्रियों के बीच बचाव करने से गुर्गों ने सैन्य अफसर को २० मिनट बाद जाने दिया। लेकिन तब तक उनकी ट्रेन छूट गई। सैन्य अफसर के साथ हुई इस घटना का मामला सेना तक भी पहुंच गया। इस मामले की जांच की जाएगी। यदि यात्री के साथ इस तरह की अभद्रता हुई है तो आरोपी के खिलाफ कार्रवाई होगी।–पंकज कुमार सिंह, मुख्य जनसंपर्क अधिकारी, पूर्वोत्तर रेलवे

‘शीर्ष नेताओं’ के जमावड़े से राजधानी का हुआ ‘चक्का जाम’, रेंगते रहे वाहन

लखनऊ। विधानसभा चुनाव–२०२२ को लेकर तीन चरणों का मतदान हो चुका है। अब चौथे चरण में २३ फरवरी को राजधानी समेत प्रदेश के नौ जिलों की ५६ विधानसभाओं में मतदान होना है। इसे लेकर पार्टी शीर्ष नेताओं ने मतदाताओं को रिझाने के लिए पूरी ताकत झोंक दी है। रविवार को राजधानी में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ व सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने विशाल रैली निकाली। दोनों रैलियों के कारण राजधानी की सड़कों पर जाम की स्थिति बनी रही। दरअसल ये रैलियां स्कूटर इंडिया, अवध चौराहा, परिवर्तन चौक, खदरा, मुंशीपुलिया समेत कई इलाकों से मुख्य सड़कों से होते हुए गुजरीं। भारी संख्या में कार्यकर्ता झंडा– बैनर लेकर नारेबाजी करते हुए दिखे। कई जगहों पर दोनों पार्टियों की रैलियों का आमना– सामना भी हुआ। इसके कारण सड़के कार्यकर्ताओं से पटी रहीं, और राहगीरों को आने–जाने में परेशानी हुई। हालांकि रैलियों को लेकर ट्रैफिक पुलिस जगह–जगह मुस्तैद दिखी।

अब पुलिस से बचना होगा मुश्किल

लखनऊ। विधानसभा चुनाव–२०२२ को लेकर उत्तर प्रदेश में तीन चरण का मतदान रविवार को पूरा हो गया है। वहीं २३ फरवरी को चौथे चरण के मतदान के लिए पुलिस ने तैयारियां तेज कर दी हैं। शांतिपूर्ण तरीके से चुनाव आयोजित कराने के उद्देश्य से पुलिस ने जांच अभियान को और तेज कर दिया है। ऐसे में अब पुलिस से बचना और भी मुश्किल होगा। विधानसभा चुनाव को लेकर अबतक नगद, अवैध शराब, मादक पदार्थ आदि की बरामदगी के लिए पुलिस की ओर से प्रमुख चौक–चौराहों पर जांच लगाई जा रही थी। पर अब ऑफ रूट जैसे

गली–नुक्कड़ों पर भी औचक जांच लगाई जा रही है, ताकि प्रभावी तरीके से अपराधियों की धरपकड़ की जा सके। आगामी २३ फरवरी को चौथे चरण में राजधानी समेत प्रदेश के ०६ जिलों की ५६ विधानसभाओं में मतदान होना है। ऐसे में पुलिस मुख्यालय की ओर से पुलिस को जांच अभियान बढ़ाने के निर्देश दिये गये हैं। इधर लखनऊ कमिश्नर डीके ठाकुर ने भी चुनाव के मद्देनजर सभी थानों को सघन तरीके से जांच करने और नाइट पेट्रोलिंग करने को कहा है। लखनऊ की सभी १६ सीमाओं पर लगाई गई चेकपोस्ट व बैरिकेडिंग में भी बाहर से आने वाले वाहनों की सघन तरीके से जांच करने को बोला गया है।

आशियाना इलाके में बेखघैफ बदमाश गृह विभाग समिक्षा अधिकारी का मोबाइल लूटकर हुए फरार

लखनऊ। आशियाना कोतवाली इलाके में घुम रहे बेखघैफ बाइक सवार बदमाशों ने रविवार शाम गृह विभाग के समिक्षा अधिकारी का मोबाइल फोन लूटकर फरार हो गए।समिक्षा अधिकारी ने कंट्रोल रूम नंबर पर लूट की सूचना दे स्थानीय थाने पर अज्ञात बाइक सवार बदमाशों के खिलाफ लिखित शिकायत की है। पुलिस शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर सीसीटीवी फुटेज के आधार पर बदमाशों के तलाश में जुटी है।आशियाना कोतवाली प्रभारी दीपक पाण्डेय ने जानकारी देते हुए बताया कि कोतवाली क्षेत्र के सेक्टर के में गृह विभाग में समिक्षा अधिकारी पद पर कार्यरत संदीप कुमार राजपूत रहते हैं। रविवार शाम अपने घर से टहलने के लिए निकले थे इसी दौरान सेक्टर के किडजी स्कूल के पास बाइक सवार दो बदमाशों ने मोबाइल छीन कर फरार हो गए। समिक्षा अधिकारी की शिकायत पर अज्ञात बाइक सवार बदमाशों के खिलाफ लूट की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

अरुणाचल में विकास की रफ्तार तेज, आधुनिक अवसंरचना का निर्माण किया जा रहा हैः पीएम मोदी

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कहा कि सरकार ने अरुणाचल प्रदेश में विकास को गति देने के लिए 'अभूतपूर्व काम' किया है और राष्ट्रीय सुरक्षा परिदृश्य में प्रदेश की भूमिका को देखते हुए वहां पर आधुनिक अवसरंचना का निर्माण किया जा रहा है। अरुणाचल प्रदेश के ३६वें स्थापना दिवस और राज्य को अरुणाचल प्रदेश का नाम दिए जाने के ५० साल पूरे होने के मौके पर अपने संदेश में प्रधानमंत्री ने कहा कि उनका पक्का विश्वास है कि पूर्वी भारत खासकर पूर्वोत्तर २१वीं सदी में देश के विकास का इंजन बनेगा। उन्होंने कहा कि सरकार अरुणाचल को पूर्वी एशिया का एक प्रमुख 'गेटवे' बनाने में पूरी ताकत से जुटी है। मोदी ने वीडियो क न्फ्रेंस के जरिए प्रदेश के लोगों को संबोधित करते हुए कहा, "मुझे इस बात का भी बहुत संतोष है कि हमारे युवा मुख्यमंत्री पेमा खांडू जी के नेतृत्व में जिस आकांक्षा के साथ आपने हम पर भरोसा जताया है, उस पर सरकार खरी उतर रही है।" उन्होंने कहा, "आपका विश्वास डबल इंजन की सरकार को और अधिक काम करने के लिए प्रोत्साहित करता है और अधिक प्रयास करने की शक्ति देता है।" मोदी ने कहा कि 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' का ये मार्ग अरुणाचल प्रदेश के बेहतर भविष्य को सुनिश्चित करने वाला है। प्रधानमंत्री ने कहा, "इसी भावना के साथ अरुणाचल प्रदेश के विकास को गति देने के लिए बीते सात सालों में अभूतपूर्व काम किया गया है। संपर्क (कनेक्टिविटी) और बिजली से जुड़ी अवसंरचना पर व्यापक काम आज अरुणाचल में जीवन और व्यापार–कारोबार को आसान बना रहा है।" उन्होंने कहा,

"राष्ट्रीय सुरक्षा के लिहाज से भी अरुणाचल की भूमिका को देखते हुए आधुनिक अवसंरचना का निर्माण किया जा रहा है।'' अपने संबोधन में मोदी ने भारत रत्न डा भूपेन हजारिका के प्रसिद्ध गीत 'अरुणाचल हमारा' की पंक्तियों का भी जिक्र किया। प्रधानमंत्री ने राष्ट्रभक्ति और सामाजिक सद्भाव की भावना को बढ़ावा देने और देश की सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने के लिए अरुणाचल प्रदेश की प्रशंसा की। उन्होंने अरुणाचल प्रदेश के उन शहीदों को श्रद्धांजलि दी जिन्होंने देश के लिए अपने प्राण न्यौछावर किए हैं। मोदी ने प्रदेश के अपने कई दौरों को याद किया और मुख्यमंत्री खांडू के नेतृत्व वाली डबल इंजन सरकार के तहत विकास की गति पर संतोष व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि अरुणाचल प्रगति, प्रेंति, पर्यावरण और संसेंति का सामंजस्य बैठाकर लगातार आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा, ''आप सभी के प्रयास से यह आज देश के सबसे प्रमुख जैव विविधता वाले क्षेत्रों में से एक है।'' उन्होंने स्वास्थ्य, शिक्षा, कौशल विकास, महिला सशक्तिकरण और स्वयं सहायता समूहों के क्षेत्र में विकास के लिए मुख्यमंत्री के प्रयासों पर भी प्रसन्नता व्यक्त की। प्रधानमंत्री ने राज्य के विकास के लिए लगातार काम करने के लिए केंद्रीय कानून मंत्री किरेन रिजिजू की भी प्रशंसा की। उन्होंने वैश्विक स्तर पर अरुणाचल की पर्यटन क्षमता को साकार करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने ट्विटर पर भी अरुणाचल प्रदेश के लोगों को स्थापना दिवस पर बधाई दी। प्रधानमंत्री ने कहा, ''राज्य के लोग अपनी शानदार प्रतिभा और मेहनती स्वभाव के लिए पहचाने जाते हैं। ईश्वर करें कि राज्य आने वाले वक्त में विकास की नयी ऊंचाइयों को छूए।

निर्वाचन आयोग ने स्टार प्रचारकों की संख्या की अधिकतम सीमा को बहाल किया

नयी दिल्ली। कोविड–१६ मामलों में कमी का हवाला देते हुए निर्वाचन आयोग ने रविवार को स्टार प्रचारकों की उस संख्या को बहाल कर दिया, जो एक पार्टी पांच राज्यों में हो रहे चुनावों में प्रचार के लिए मैदान में उतार सकती है। अब मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय और राज्य स्तर की पार्टियां अधिकतम ४० स्टार प्रचारकों को मैदान में उतार सकती हैं। अन्य पार्टियां जो पंजीकृत हैं, लेकिन मान्यता प्राप्त नहीं हैं, अब २० स्टार प्रचारकों को प्रचार के लिए उतार सकती हैं। आयोग ने अक्टूबर २०२० में मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय और राज्य स्तर के दलों के लिए स्टार प्रचारकों की संख्या ४० से घटाकर ३० कर दी थी, क्योंकि कोरोना वायरस महामारी के बीच बिहार विधानसभा चुनाव और कई राज्यों में उपचुनावों के प्रचार के दौरान काफी भीड़ देखी गई थी। आयोग ने राजनीतिक दलों को लिखे एक पत्र में कहा, कोविड–१६ के उपचाराधीन मरीजों और नये मामलों की संख्या घट रही है और केंद्र सरकार और राज्य सरकारों द्वारा महामारी के प्रसार को रोकने के लिए लगाए गए प्रतिबंधों को धीरे–धीरे हटाया जा रहा है। निर्वाचन आयोग ने उचित विचार–विमर्श के बाद स्टार प्रचारकों की संख्या की अधिकतम सीमा बहाल करने का निर्णय लिया है। पत्र में कहा गया है कि अब मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय और राज्य स्तर के राजनीतिक

दलों के लिए स्टार प्रचारकों की संख्या की अधिकतम सीमा ४० होगी और मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के अलावा अन्य के लिए यह २० होगी। इसमें कहा गया है कि मणिपुर विधानसभा चुनाव के दोनों चरणों, उत्तर प्रदेश चुनाव के चरण ५, ६ और ७ और असम में माजुली विधानसभा सीट के उपचुनाव के लिए अतिरिक्त स्टार प्रचारकों की सूची निर्वाचन आयोग या संबंधित मुख्य निर्वाचन अधिकारी को २३ फरवरी की शाम पांच बजे तक सौंपी जा सकती है।

मूंगफली वाले के जरिये रिश्वत ले रही थी 'आप' की निगम पार्षद, सीबीआइ ने रंगे हाथों किया गिरफ्तार

लखनऊ। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने शुक्रवार को पूर्वी दिल्ली की आम आदमी पार्टी की निगम पार्षद को रिश्वत मांगने के आरोप में गिरफ्तार किया है। इसके अलावा सीबीआई ने इस मामले में एक रेहड़ी वाले को भी गिरफ्तार किया है। सीबीआई ने आप पार्षद गीता रावत को २०,००० रुपये की रिश्वत लेने के आरोप में गिरफ्तार किया है। बताया जा रहा है कि रिश्वत का पैसा एक मूंगफली विक्रेता के जरिए आप पार्षद तक पहुंचाया गया था। आरोपी गीता रावत डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया के विधानसभा क्षेत्र पड़पड़गंज स्थित विनोद नगर वार्ड की पार्षद है। एक रिपोर्ट के अनुसार मूंगफली वाले सनाउल्लाह के पिता को जब इस बात का पता चला कि उनके बेटे को किसी ने पकड़ रखा है तो, वह दौड़ कर अपने बेटे के ठेले पर गए। जब पिता ने उनसे पूछा कि आपने मेरे बेटे को क्यों पकड़ा है, तो उन्होंने कहा हम सीबीआई वाले हैं और अभी सब पता चल जाएगा। इसके बाद पूरे मामले का खुलासा हुआ। पूरे मामले में यह जानकारी सामने आई कि आप पार्षद गीता रावत मूंगफली विक्रेता के जरिए रिश्वत ले रही थीं। सीबीआई ने जानकारी जुटाने के बाद नोटों का रंग लगाकर मूंगफली बेचने वाले को पैसे दिए थे। वह पैसे जैसे ही मूंगफली बेचने वाला गीता रावत को देने पहुंचा तो सीबीआई ने उसे रंगे हाथों पकड़ लिया। तलाशी के दौरान वही रंग लगे नोट बरामद किए गए। इसके बाद सीबीआई मूंगफली विक्रेता और आप निगम पार्षद गीता रावत को अपने साथ ऑफिस ले गई।

चौथे चरण के लिए कल शाम छह बजे थमेगा चुनाव प्रचार

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव २०२२ के चौथे चरण का मतदान २३ फरवरी को होना है। सोमवार शाम छह बजे प्रत्याशियों की ओर से किया जा रहा प्रचार–प्रसार थम जाएगा। मुख्य निर्वाचन अधिकारी अजय कुमार शुक्ला ने बताया कि चौथे चरण में प्रदेश के नौ जिलों पीलीभीत, खीरी, सीतापुर, हरदोई, उन्नाव, लखनऊ, रायबरेली, बांदा व फतेहपुर की ५६ विधानसभा सीटों के लिए सुबह सात से शाम छह बजे तक मतदान होगा। पुलिस–प्रशासन को स्वतंत्र, निष्पक्ष, पारदर्शी व कोविड सुरक्षित तरीके से मतदान कराने के लिए आवश्यक तैयारियों के लिए निर्देश दिए जा चुके हैं। इन विधानसभा सीटों के लिए होगा मतदान रू पीलीभीत, बरखेड़ा, पूरनपुर (सुरक्षित), बीसलपुर, पलिया, निघासन, गोला गोकरननाथ, श्रीनगर (सुरक्षित), धौरहरा, लखीमपुर, कस्ता (सुरक्षित), मोहम्मदी, महोली, सीतापुर, हरगांव (सुरक्षित), लहरपुर, बिसवां, सेवता, महमूदाबाद, सिधौली (सुरक्षित), मिश्रिख (सुरक्षित), सवायजपुर, शाहाबाद, हरदोई, गोपामऊ (सुरक्षित), सांडी (सुरक्षित), बिलग्राम–मल्लांवा, बालामऊ (सुरक्षित), संडीला, बांगरमऊ, सफीपुर (सुरक्षित), मोहान (सुरक्षित), उन्नाव, भगवन्तनगर, पुरवा, मलिहाबाद (सुरक्षित), बक्शी का तालाब, सरोजनीनगर, लखनऊ पश्चिम, लखनऊ उत्तर, लखनऊ पूर्व, लखनऊ मध्य, लखनऊ कैन्टोनमेंट, मोहनलालगंज (सुरक्षित), बछरावां (सुरक्षित), हरचन्दपुर, रायबरेली, सरेनी, ऊंचाहार, तिंदवारी, बबेरू, नरैनी (सुरक्षित), बांदा, जहानाबाद, बिन्दकी, फतेहपुर, अयाहशाह, हुसैनगंज व खागा (सुरक्षित)।

राजधानी में बेसिक विद्यालय अलीनगर सुनहरा के छात्र-छात्राओं ने निकाली मतदाता जागरूकता रैली

लखनऊ। विधानसभा चुनाव में मतदाताओं को अधिक से अधिक मतदान के लिए जागरूक करने के लिए कृष्णा नगर क्षेत्र के सुनहरा स्थित बेसिक विद्यालय अलीनगर सुनहरा के विद्यार्थियों ने रैली निकाली। विद्यालय के प्रभारी

प्रधानाचार्य राकेश कुमार पाण्डेय ने हरी झंडी दिखाकर मतदाता जागरूकता रैली को रवाना किया। बच्चों ने रैली निकाल कर अपने मताधिकार का प्रयोग करने की क्षेत्र की जनता से अपील की। प्रभारी प्रधानाचार्य राकेश कुमार पाण्डेय ने बताया कि मतदाता जागरूकता रैली आसपास के लाला खेड़ा, रूस्तम विहार, अलीनगर सुनहरा सहित आसपार के क्षेत्रों में १०० प्रतिशत मतदान करना जनपद को नंबर १ बनाना है, सारे काम छोड़ दो पहले अपना वोट दो जैसे तमाम जोशीले नारों के साथ जागरूकता किया। मतदाता जागरूकता रैली का नेतृत्व बेसिक विद्यालय अलीनगर सुनहरा के कक्षा ८ के छात्र/छात्राओं द्वारा किया गया जिसमें प्रभारी प्रधानाचार्य राकेश कुमार पाण्डेय व शिक्षा मित्र सुनीता यादव, सावेज खान एवं सभी उपस्थित छात्र–छात्राएं मौजूद रहे।

UP में डबल इंजन की सरकार बनने के बाद शुरू हुआ काम, परिवारवादी लोग नहीं करने देंगे भला : PM मोदी

हरदोई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हरदोई में रविवार को चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए समाजवादी पार्टी (सपा) पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि तुष्टीकरण की राजनीति करने वालों को १० मार्च को जवाब मिलेगा। अत्याचार, आतंक और छल कितने भी ताकतवर क्यों न हो जाएं लेकिन सच्चाई के आगे टिक नहीं सकते हैं। ५ साल पहले माफियावादियों ने उत्तर प्रदेश का क्या हाल बना दिया था ? व्यापारियों को व्यापार करने में डर लगता था। उस वक्त लोक कहते थे कि दिए भरे घर लौट आओ। हरदोईवालों ने वह दिन देखे हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि कट्टा और सट्टा वालों को पहले खुली छूट मिली हुई थी। हमारी माताएं बेटे और बेटियों के घर से निकलने पर डरी रहती थी कि उनके साथ कोई दुर्घटना न हो जाए। अपराधियों को घोर परिवारवादियों का पूरा संरक्षण होता था। लेकिन आज सभी का हिसाब हो रहा है। माफिया, अपराधी खुद जमानत रद्द करवाकर जेल के भीतर पहुंचे हुए हैं। उन्होंने कहा कि बुरी तरह चुनाव हार रहे परिवारवादी जात–पात के नाम पर अब जहर फैलाएंगे लेकिन उत्तर प्रदेश के विकास और देश के विकास का मंत्र की याद रखना है। यह लोग कुर्सी के लिए अपने परिवार से

भी लड़ जाते हैं। इसलिए घोर परिवारवादी किसी जाति या समाज के लिए भी नहीं हो सकते हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि उत्तर प्रदेश की डबल इंजन की सरकार किसी एक खानदान की सरकार नहीं है। कोई यह कह सकता है क्या कि उत्तर प्रदेश में खानदान की सरकार है ? दिल्ली में भारत की सरकार किसी एक खानदान की सरकार नहीं है। यह गरीब, किसान, नौजवान की सरकार है। हमने ५ साल आप लोगों ने जी–तोड़ मेहनत की है। लेकिन मुझे अफसोस है कि २०१४ से लेकर २०१७ के बीच उत्तर प्रदेश में इन परिवारवादियों ने एक भी काम में मेरा साथ नहीं दिया। मैं उत्तर प्रदेश का सांसद हूं, यहां के लोगों की मदद से मैं प्रधानमंत्री बन गया लेकिन मुझे लखनऊ की सरकार ने कोई काम नहीं करने दिया था। ऐसे में अगर इन लोगों की सरकार आ गई तो क्या यह लोग मुझे काम करने देंगे ? उन्होंने कहा कि घोर परिवारवादियों ने ठान लिया था कि उत्तर प्रदेश में विकास का कोई काम केंद्र सरकार को करने ही नहीं देंगे। यह लोग भीतर से इतने ज्यादा कांपते थे कि मेरे साथ किसी कार्यक्रम में मंच में शामिल नहीं होते थे और एयरपोर्ट से ही भाग जाते थे। उन लोगों को डर था कि कहीं यह कुछ पूछ लेंगे तो मैं जवाब भी नहीं दे पाऊंगा। उत्तर प्रदेश में काम साल २०१७ में डबल इंजन की सरकार बनने के बाद शुरू हुआ।

योगी ने विपक्षी दलों पर साधा निशाना बोले- दंगा मुक्त उत्तर प्रदेश के लिए फिर से भाजपा को चुनें

लखीमपुर खीरी (उप्र), उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को समाजवादी पार्टी और बहुजन समाज पार्टी समेत विपक्षी दलों पर निशाना साधते हुए मतदाताओं से दंगा मुक्त प्रदेश के लिए फिर से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को चुनने की अपील की। लखीमपुर खीरी जिले में भाजपा उम्मीदवारों के समर्थन में आयोजित चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए योगी आदित्यनाथ ने रविवार को यह बात कही। मुख्यमंत्री ने समाजवादी पार्टी (सपा) के शासन में राज्य में हुए दंगों की याद दिलाते हुए दावा किया कि भाजपा की सरकार में राज्य में एक भी दंगा नहीं हुआ। मुख्यमंत्री ने कहा कि बीते दिनों अहमदाबाद (गुजरात) विस्फोट मामले में अदालत ने ऐतिहासिक फैसला सुनाते हुए

दोषियों को फांसी की सजा सुनाई है और उन आतंकियों में से एक आजमगढ़ के संजरपुर का है। उन्होंने कहा,उस आतंकी के पिता का सम्बन्ध सपा से है और वह सपा का चुनाव प्रचार कर रहा है। समाजवादी पार्टी की इन आतंकवादियों के प्रति संवेदना क्यों है, जो देश की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने मतदाताओं से अनुरोध किया कि वे अधिक से अधिक संख्या में मतदान करने जाएं। खीरी जिले के आठ विधानसभा क्षेत्रों में चौथे चरण में २३ फरवरी को मतदान होगा। योगी ने जनसभा में केंद्र और राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं और उसके लाभार्थियों का आंकड़ा गिनाया और दोनों सरकारों की उपलब्धियों का ब्योरा दिया।

EC ने सोनू सूद को मोगा में मतदान केंद्रों पर जाने से रोका,मतदाताओं को 'प्रभावित' करने का आरोप

मंम्बई। चुनाव आयोग ने बॉलीवुड अभिनेता सोनू सूद को मोगा में मतदान केंद्रों पर जाने से रोक दिया, जहां से उनकी बहन कांग्रेस के टिकट पर चुनाव लड़ रही हैं। सोनू सूद पर मतदाताओं को प्रभावित करने की कोशिश करने का आरोप लगाया गया है। शिरोमणि अकाली दल द्वारा शिकायत दर्ज कराने के बाद चुनाव आयोग ने सोनू सूद को विभिन्न बूटों में जाने से रोकने के लिए उनकी कार को जब्त कर लिया है। पंजाब की ११७ विधानसभा सीटों के लिए सुबह आठ बजे से मतदान शुरू हो गया, जबकि उत्तर प्रदेश की ५६ सीटों के लिए तीसरे चरण का मतदान सुबह सात बजे से शाम छह बजे तक होगा. पंजाब में मुकाबला कांग्रेस, आम आदमी पार्टी (आप), शिरोमणि अकाली दल (शिअद) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के गठबंधन और राज्य के पूर्व सीएम अमरिंदर सिंह के संगठन पंजाब लोक कांग्रेस के बीच है। (पीएलसी)। दूसरी ओर, यूपी में करहल विधानसभा सीट से समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव भाजपा के एसपी सिंह बघेल के खिलाफ चुनाव मैदान में हैं।

नड्डा ने अखिलेश पर साधा निशाना, बोले उन्होंने संविधान की रक्षा की शपथ ली और आतंकवादियों की रक्षा कर रहे हैं

श्रावस्ती (उप्र)। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने रविवार को विपक्षी दलों खासतौर से समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव पर माफिया, और आराजक तत्वों को संरक्षण देने का आरोप लगाते हुए कहा कि सपा प्रमुख ने संविधान की रक्षा की शपथ ली थी और वह आतंकवादियों की रक्षा

कर रहे हैं। रविवार को श्रावस्ती में भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार राम फेरन पांडेय के पक्ष में आयोजित चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए नड्डा ने यह बात कही। उन्होंने यादव पर अहमदाबाद में हुए बम विस्फोट मामले में अदालत द्वारा दोषी ठहराए गए आजमगढ़ के संजरपुर निवासी एक व्यक्ति के पिता पर समाजवादी पार्टी के लिए चुनाव प्रचार करने का आरोप लगाया। भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि अखिलेश यादव ने संविधान की रक्षा की शपथ ली और वह आतंकवादियों की रक्षा कर रहे हैं।रावस्ती (उप्र) भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने रविवार को विपक्षी दलों खासतौर से समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव पर माफिया, और आराजक तत्वों को संरक्षण देने का आरोप लगाते हुए कहा कि सपा प्रमुख ने संविधान की रक्षा की शपथ ली थी और वह आतंकवादियों की रक्षा कर रहे हैं। रविवार को श्रावस्ती में भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार राम फेरन पांडेय के पक्ष में आयोजित चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए नड्डा ने यह बात कही। उन्होंने यादव पर अहमदाबाद में हुए बम विस्फोट मामले में अदालत द्वारा दोषी ठहराए गए आजमगढ़ के संजरपुर निवासी एक व्यक्ति के पिता पर समाजवादी पार्टी के लिए चुनाव प्रचार करने का आरोप लगाया। भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि अखिलेश यादव ने संविधान की रक्षा की शपथ ली और वह आतंकवादियों की रक्षा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सपा के शासनकाल में माफिया राज था और आजम खान,मुख्तार अंसारी, अतीक अहमद का दबदबा था लेकिन योगी के शासनकाल में ये लोग सलाखों के पीछे हैं। उन्होंने कहा कि योगी आदित्यनाथ ने माफिया राज और गुंडाराज को समाप्त किया और अब देवबंद में आतंकवाद निरोधक केंद्र बनेगा इसके साथ साथ मेरठ, बहराइच, रामपुर, आजमगढ़ और कानपुर में भी यह केन्द्र बनेगा और योगी के नेतृत्व में राज्य भयमुक्त बनेगा। उन्होनें कहा, अगर आप चाहते हैं कि रोजगार युक्त और भयमुक्त उत्तर प्रदेश बने तो उसके लिए एक ही रास्ता है कि भाजपा उम्मीदवारों को वोट दीजिए। श्रावस्ती में पांचवें चरण में २७ फरवरी को मतदान होना है।

अखिलेश यादव ने सुनील सिंह को दिया सिसवा विधानसभा सीट पर चुनाव संचालन का प्रभार

लखनऊ। महाराजगंज जिले की सिसवा विधानसभा की सीट पर समाजवादी पार्टी की जीत सुनिश्चित करने के लिए सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने संत कबीर नगर जिले के बड़गो गांव निवासी और सपा के वरिष्ठ नेता सुनील सिंह को कमान सौंपी है। प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल की ओर से १६ फरवरी को जारी पत्र में कहा गया कि राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देशानुसार सुनील सिंह को सिसवा विधानसभा चुनाव संचालन के लिए प्रभारी नियुक्त किया जाता है। सुनील सिंह को प्रभारी नियुक्त किए जाने पर इलाके के नौजवान सपाइयों में खुशी की लहर है। माना जाता है कि सुनील सिंह एक कुशल संगठनकर्ता हैं। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के हनुमान कहे जाने वाले हिंदू युवा वाहिनी के पूर्व प्रमुख रह चुके सुनील सिंह साल २०२० में सपा की साइकिल पर सवार हो गए थे। साल २०१७ विधानसभा चुनाव के पहले ही सुनील सिंह को हिंदू युवा वाहिनी से बाहर का रास्ता दिखा दिया गया था। दरअसल उन्होंने खुद को हिंदू युवा वाहिनी का राष्ट्रीय अध्यक्ष घोषित कर दिया था। यह संगठन योगी आदित्यनाथ के संरक्षण में चल रहा था। इसके बाद राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम के तहत सुनील

सिंह पर एक मामला दर्ज किया गया और उन्हें जेल जाना पड़ा। बाद में सुनील सिंह ने हिंदू युवा वाहिनी (भारत) नाम से अपना एक अलग संगठन बना लिया था। आपको बता दें कभी सुनील सिंह को योगी आदित्यनाथ का दाहिना हाथ माना जाता था। उत्तर प्रदेश में आज तीसरे चरण का मतदान हो रहा है। प्रदेश की १६ जिलों की ५६ सीटों पर वोट डाले जा रहे हैं। आपकी जानकारी के लिए बता दें यूपी विधानसभा चुनाव ७ चरणों में संपन्न होगा और चुनाव के नतीजे १० मार्च को आएंगे।

वोटर पर्ची की जांच के बहाने बदमाशों ने महिला की लूटी चेन

लखनऊ। राजधानी के कृष्ण नगर इलाके में घूम रहे बेखौफ बदमाशों ने रविवार दोपहर सेवानिवृत्त सब इंस्पेक्टर के घर वोटर पर्ची की जांच के बहाने घुस उनकी पत्नी के गले में झपटा मार चेन छीनकर बाइक पर फर्राटा भरते फरार हो गए। कंट्रोल रूम की सूचना पर पहुंची स्थानीय पुलिस घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे में फुटेज तलाशने में जुटी हुई है।कानपुर रोड स्थित १५७६ एस एस सेकेंड एलडीए कालोनी में रहने महराज सिंह राधव ने बताया कि वह पुलिस विभाग से सब इंस्पेक्टर पद से सेवानिवृत्त कर्मी है। रविवार दोपहर घर पर वोटर पर्ची की जांच के बहाने घुसे बदमाश उनकी पत्नी सर्वेश राधव के गले में झपटा मार चेन छीनकर बाइक पर फर्राटा भरते भाग गए हैं। घटना की जानकारी पुलिस को कन्ट्रोल रूम पर दी गई थी। वहीं पीड़िता सर्वेश राधव ने बताया कि उनके घर पर वोटर पर्ची की जांच के बहाने एक युवक उनके घर आया और वह अपने पोर्च के पास खडी बात कर रही थी उस दौरान लुटेरे का दूसरा साथी काले रंग की मोटरसाइकिल से आया तभी उनके गले में बातचीत कर रहे युवक ने अचानक झपटा मार चेन छीनकर अपने साथी की मोटरसाइकिल पर बैठ कर फरार हो गया था। कृष्णा नगर कोतवाली प्रभारी आलोक राय ने बताया कि मामला संज्ञान में है घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे में लुटेरों के फुटेज खंगाले जा रहे हैं।

यूपी सरकार ने २७४ नोटिस ली वापस

लखनऊ। नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) के विरोध में हुए हिंसात्मक प्रदर्शनों के दौरान सार्वजनिक व निजी संपत्ति को हुए नुकसान की वसूली के मामले में सुप्रीम कोर्ट के सख्त रुख के बाद उत्तर प्रदेश सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। इस मामले में अपर जिलाधिकारियों की ओर से क्षति की वसूली के लिए भेजी गईं २७४ नोटिस वापस ले ली गईं हैं। राज्य सरकार अब उत्तर प्रदेश लोक व निजी संपत्ति क्षति वसूली अधिनियम २०२० के तहत लखनऊ, मेरठ व प्रयागराज में गठित दावा अधिकरणों के माध्यम से इन मामलों में नोटिस देकर वसूली की प्रक्रिया को आगे बढ़ाएगी, जिसकी प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। प्रदेश सरकार ने अपनी इस कार्यवाही के बारे में सुप्रीम कोर्ट को अवगत भी कराया है। सीएए के विरोध में दिसंबर, २०१९ में लखनऊ समेत अन्य शहरों में उग्र प्रदर्शन हुए थे। हिंसात्मक प्रदर्शनों के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सार्वजनिक व निजी संपत्ति को हुए नुकसान की भरपाई करने के लिए उपद्रवियों की संपत्ति की वसूली किये जाने की बात कही थी। जिसके बाद लखनऊ, मेरठ, कानपुर व अन्य शहरों में उपद्रवियों के विरुद्ध कुल ५१० मुकदमे दर्ज हुए थे और कानूनी प्रक्रिया शुरू की गई थी। १.७२ करोड़ रुपये से अधिक की

राजकीय संपत्ति की क्षति का आंकलन किया गया था। इसके बाद ही सरकार ने अब उत्तर प्रदेश लोक व निजी संपत्ति क्षति वसूली अधिनियम २०२० लागू किया था। प्रदेश में राजनीति जुलूसों, अवैध प्रदर्शनों, हड़ताल, बंद तथा आंदोलनों के आह्वान पर लोक व निजी संपत्तियों को हुई क्षति के प्रकरणों की वीडियोग्राफी कर प्रतिकर निर्धारित करने के लिए तीन दावा अधिकरणों का भी गठन हुआ था। बीते दो वर्ष में सरकारी संपत्ति की क्षति नगण्य रही है।पुलिस आंकड़ों के अनुसार वसूली के लिए ८७५ आरोपितों को नोटिस जारी की गई थी, जबकि ७३ के विरुद्ध नोटिस जारी किया जाना शेष था। वसूली के २३३ प्रकरण कोर्ट में विचाराधीन है। जबकि २३ मामलों में १.७७ करोड़ रुपये की वूसली के लिए अंतिम आदेश जारी किया गया था। पुलिस ने प्रदेश में दर्ज कुल मुकदमों में ३८३ मामलों में आरोपितों के विरुद्ध कोर्ट में आरोपपत्र दाखिल किया था ।वहीं, ६६ मामलों में अदालत में अंतिम रिपोर्ट दाखिल की गई। ४६ मामलों की विवेचना अभी की जा रही है। हिंसात्मक प्रदर्शनों के बाद सबसे अधिक १०५ मुकदमे आगरा जोन में तथा १०४ मुकदमे मेरठ जोन में दर्ज हुए थे। पुलिस ने कुल मुकदमों में ४१४४ आरोपितों को नामजद किया था, जबकि विवेचना के दौरान ३६७५ आरोपितों के नाम प्रकाश में आए थे।

शिवराज ने बाबा का बताया मतलब और सपा प्रमुख पर भी साधा निशाना, बोले– आज के औरंगजेब है अखिलेश

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव को लेकर सियासी बयानबाजियां तेज हो गई हैं। इसी बीच मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने रविवार देवरिया में समाजवादी पार्टी (सपा) प्रमुख अखिलेश यादव को औरंगजेब बताया। उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव आज के औरंगजेब है। जो अपने बाप का नहीं हुआ, वह आप का क्या होगा। यह मैं नहीं कह रहा हूं यह मुलायम सिंह यादव ने कहा था। उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव आज के औरंगजेब है। औरंगजेब ने भी यही किया था अपने बाप को जेल में बंद कर दिया भाईयों का कत्ल कर दिया था। शिवराज सिंह चौहान का यह बयान काफी ज्यादा वायरल हो रहा है। इसी बीच शिवराज सिंह चौहान ने बाबा मुख्यमंत्री का मतलब बताया। उन्होंने कहा कि बाबा का मतलब है बहादुर– जो माफिया को उनकी जगह दिखाता है। ए का मतलब सक्रिय, हमेशा लोगों के लिए काम करना। एक और बी का अर्थ है शानदार, तुरंत निर्णय लेता है, बुलडोजर से सजा देता है और ए का अर्थ है चौकस– लोगों का उद्धारकर्ता। यह योगी आदित्यनाथ हैं। दरअसल, सपा प्रमुख मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को बाबा मुख्यमंत्री कह कर संबोधित करते हुए एक के बाद एक हमले बोल रहे थे। उन्होंने कहा

था कि १० तारीख को सपा की सरकार बनने वाली है और बाबा मुख्यमंत्री की विदाई होने वाली है। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा था कि बाबा मुख्यमंत्री ५ साल रहे। आप ने अपने मेडिकल क लेज को वो सुविधा क्यों नहीं दी जो पीजीआई की हैं। जिम्मेदार कौन है? सैफई का जो विकास हुआ वो एक दिन का नहीं है। बाबा मुख्यमंत्री को कोई काम करना नहीं है कोई अच्छा काम देखना नहीं है।

प्लाट दिलाने के नाम पर मां–बेटे ने की १८ लाख की ठगी

लखनऊ। गोमतीनगर विस्तार इलाके में रहने वाली देवरानी– जेठानी को प्लाट दिलाने का झांसा देकर जालसाज मां–बेटे ने १८ लाख रुपये ठग लिए। इतना ही नहीं, मां–बेटे ने प्लाट का बैनामा कर दिया। इसके बाद रजिस्ट्री की मूल कापी नहीं दी। मूल कापी जब देवरानी–जेठानी ने मांगी तो दोनों ने खो जाने का नाटक किया और फिर आनलाइन रिपोर्ट दर्ज कराकर उसकी कापी भी उन्हें थमा दी। गुलाम हुसैन का पुरवा निवासी राजरानी और उनकी देवरानी सरिता २०१६ में प्लाट खरीदना चाह रही थीं। इस संबंध में उनकी मुलाकात सरस्वती अपार्टमेंट में रहने वाली सुतापा बोस और उनके बेटे अमित से हुई। सुतापा ने क्षेत्र स्थित एक प्लाट का खुद का होने का दावा किया। सुतापा और उनके बेटे ने प्लाट भी दिखाया। प्लाट पसंद आने पर सौदा १८ लाख का तय हुआ। इसके बाद मां–बेटे को रुपयों का भुगतान भी कर दिया गया। मार्च २०१६ में उन्होंने प्लाट का बैनामा कर दिया। बैनामा होने के कई माह बाद तक सुतापा और उनके बेटे ने रजिस्ट्री की मूल कापी नहीं दी ।मांगने पर टाल मटोल करने लगे। दबाव बनाने पर कहा कि रजिस्ट्री खो गई है। इसके बाद उन्होंने रजिस्ट्री की कापी खोने की एक ऑनलाइन रिपोर्ट दर्ज कराते हुए उसकी कापी भी दे दी। इसके बाद रजिस्ट्री की जांच कराई गई। पड़ताल में जालसाजी का पता चला। इसके बाद तहरीर थाने में दी पर मुकदमा दर्ज नहीं हुआ। न्यायालय में अर्जी डाली। इंस्पेक्टर प्रशांत मिश्र ने बताया कि कोर्ट के आदेश पर सुतापा और उनके बेटे के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

प्रियंका गांधी ने बीजेपी और सपा पर कसा तंज, कहा- दोनों एक ही थाली के चट्टे बट्टे हैं।

लखनऊ। प्रियंका गांधी ने जनता से वोट की अपील की है। उन्होंने बीजेपी और सपा पर हमला करते हुए दोनों को एक ही थाली के चट्टे बट्टे कहा है। उन्होंने कहा कि दोनों में कोई अंतर नहीं है। प्रियंका गांधी ने कहा कि बीजेपी सरकार किसान विरोधी है। किसान बिल से इतने किसान परेशान हुए लेकिन नरेंद्र मोदी का दिल नहीं पसीजा। जैसे ही चुनाव आया मोदी अचानक आए और कहा हमसे गलती हो गई। इस बिल को वापस लेता हूं और ये कह कर रोने लगे. क्या इनको पहले नहीं पता था।

बुजुर्ग से धारदार हथियार दिखा बाइकसवार लुटेरों ने छीनीं चेन

लखनऊ। आशियाना थाना क्षेत्र में घूम रहे बेखौफ बदमाशों ने रविवार सुबह बाइकसवार लुटेरों ने एक अधिवक्ता की बुजुर्ग मां को निशाना बना धारदार हथियार दिखा गले में पड़ीं सोने की चेन छीनकर फरार हो गए। घटना की जानकारी होने पर पीड़िता के बेटे ने स्थानीय पुलिस से लिखित शिकायत की है। वहीं स्थानीय पुलिस घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे में लुटेरों के फुटेज तलाशने में जुटी हुई है ।आशियाना थाना क्षेत्र के १६ ५३६ रतन खण्ड शारदा नगर आशियाना में रहने वाले अभिषेक मिश्रा पुत्र जय शंकर मिश्रा ने बताया कि वह पेशे से अधिवक्ता है। रविवार सुबह उनकी बुजुर्ग मां निर्मला मिश्रा घर के सामने पार्क के पास फूल फेंकने गई थी। उस दौरान काले रंग की बिना नम्बर की पल्सर मोटरसाइकिल पर सवार पीछे बैठे लुटेरे ने धारदार हथियार दिखा उनके गले में पड़ीं सोने की चेन छीनकर फरार हो गए। घटना की जानकारी होने पर पीड़िता के बेटे ने स्थानीय थाना पहुंचकर पुलिस से लिखित शिकायत की है। पीड़िता के मुताबिक गाडी चला रहे लुटेरे ने लाल रंग की शर्ट व स्वेटर व पीछे बैठे लुटेरे ने काले रंग की शर्ट व स्वेटर पहन रखा था। वहीं घटना की जानकारी के लिए आशियाना थाना प्रभारी को मिलाया तो उन्होंने फोन उठाना मुनासिब नहीं समझा। वहीं पीड़ित के मुताबिक उनके घर के सामने बनें पार्क में अराजकतत्वों का जमावड़ा अक्सर लगा रहता है जिसकी कई बार शिकायत कंट्रोल रूम नंबर पर भी किया गया लेकिन स्थानीय पुलिस द्वारा कोई कार्रवाई नहीं किया गया।

नहर में २८ वर्षीय युवक का शव उतराता हुआ मिला

लखनऊ। नगराम स्थानीय थाना अंतर्गत रविवार को अनैया गांव के एक २८ वर्षीय युवक का शव नहर में उतराता मिला। जिसकी सूचना ग्रामीणों ने परिजन सहित पुलिस को दी सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए भेजा रविवार को अनैया गांव निवासी अरूण कुमार ने बताया कि उसका चचेरा भाई धर्मेन्द्र कुमार बीते शनिवार की शाम घर से यह बताकर

निकले थे कि वह जानवरों से बचाव हेतु खेतों की रखवाली के लिए जा रहे हैं । जिसका शव रविवार की सुबह गांव स्थित बचन खेड़ा की पुलिया नहर में उतराता मिला है ग्रामीणों के मुताबिक ध र्मेंद्र शराब का लती था हो सकता है कि अत्यधिक नशा होने के कारण नहर में जा गिरा होगा ग्रामीणों ने बताया कि धर्मेन्द्र का नशें के दौरान इससे पहले भी सड़क दुघर्टनाएं हुई है ।

घर बुलाकर की अभद्रता, विरोध पर झोंका फायर

लखनऊ। कृष्णानगर इलाके में युवक ने प्रेमिका को घर पर बुलाया और उससे अभद्रता कर दी। दोनों में विवाद हुआ। इसके बाद उसने प्रेमिका पर फायर झोंक दी। बचाव में युवती भागर छत पर पहुंची और वहां से कूद गई। सूचना पर पहुंचीं ष्णानगर पुलिस ने आरोपित प्रेमी को गिरफ्तार कर लिया। उसके पास से एक तमंचा बरामद किया है। वहीं, युवती बिना कोई आरोप लगाए और तहरीर दिए ही चली गई। पुलिस आरोपित युवक से पूछताछ कर रही है ष्णानगर के आजादनगर में रहने वाला विजय यादव व्यवसायी है। शुक्रवार को उसने इलाके में रहने वाली अपनी एक प्रेमिका को घर बुलाया। युवती, विजय के घर पहुंची। दोनों अंदर थे इस बीच उनमें विवाद हो गया। इस बीच शोर शराबा हुआ तो विजय ने फायर झोंक दिया। युवती एकाएक भागकर छत पर पहुंची। इसके बाद पहले तल से कूद गई। गोली चलने की आवाज और शोर सुनकर आस पड़ोस के लोग जुट गए। युवती चीख–पुकार कर रही थी। इस बीच पुलिस पहुंची। पुलिस ने युवती को क्षेत्र स्थित अस्पताल भेजा। जहां से प्राथमिक उपचार के बाद उसे छुट्टी दे गई। उधर, पुलिस ने विजय यादव को पकड़ लिया ।इंस्पेक्टर आलोक कुमार राय ने बताया कि विजय के पास से तलाशी में एक तमंचा मिला है। उसके खिलाफ आर्म्स एक्ट की कार्रवाई कर गिरफ्तार कर लिय गया है। वहीं, युवती के उसके खिलाफ कोई आरोप नहीं लगाया है। उसने इस मामले में कोई तहरीर देने से भी मना कर दिया है। वह घर चली गई। युवती मूल रूप से दिल्ली की रहने वाली है। वहीं, विजय से पूछताछ की जा रही है कि ऐसी कौन सी परिस्थितियां थी अथवा क्या बात हुई कि युवती ने उसके घर की छत पर जाकर छलांग लगा दी।

अद्भुत द्वीप : खरगोशों का द्वीप

अमरेन्द्र सहाय अमर दुनिया अजब–गजब रहस्यों से भरी हुई है. एक रहस्य सुलझता है तब तक दूसरा रहस्य सामने आ जाता है. दुनिया के हर देश में आपको कुछ ऐसी जगहें जरूर मिल जाएंगी जिनके बारे में बहुत कम लोगों को पता होता है. इन जगहों से जुड़ी हुई अपनी एक अलग कहानी और विशेषता होती है. इसी क्रम में पूरी दुनिया में कुछ ऐसे द्वीप भी हैं जो अपने आप में अनोखे और बेहद खूबसूरत हैं. ये द्वीप अपनी इन्हीं खूबियों के कारण पर्यटकों को भी अपनी और आकर्षित करते हैं. इसी कड़ी में आज हम एक ऐसे अनोखे द्वीप के बारे में बात करेंगे जहां इंसान नहीं रहते हैं. इस द्वीप पर सिर्फ खरगोशों का बसेरा है. यही कारण है कि इस द्वीप को 'रैबिट आइलैंड' यानि खरगोशों के द्वीप के नाम से जाना जाता है. जापान का ओकुनोशिमा द्वीप वैसे तो बहुत खूबसूरत है और यहां लोग घूमने के लिए भी आते हैं. ओकुनोशिमा का छोटा द्वीप जापान के इनलैंड सागर में स्थित है और इसे हिरोशिमा के प्रान्त में टेकहारा शहर का हिस्सा माना जाता है.१६२० के दशक के मध्य में इंपीरियल जापानी आर्मी इंस्टीट्यूट अ फ साइंस एंड टेक्नोलॉजी ने फैसला किया कि आधार रासायनिक हथियारों को विकसित करने के लिए सही स्थान था. यह काफी आबादी और टोक्यो या किसी अन्य प्रमुख शहर से एक समुचित दूरी पर था. ऐसा करने का एक कारण यह था कि अमेरिका और यूरोप समान रूप से रासायनिक हथियार विकसित कर रहे थे. इसलिए उस समय जापानी शक्तियों ने सोचा था कि उन्हें भी ऐसा करना चाहिए. विचित्र रूप से, यह सब होना कानूनी था. जिनेवा प्रोटोक ल तैयार की गई और १६२५ में (जापान, अमेरिका, ब्रिटेन और जर्मनी सहित) कई देशों द्वारा हस्ताक्षर किए गए यह १६२८ में प्रोटोकॉल को लागू हुआ, विकास और रासायनिक हथियारों के भंडारण के लिए अनुमति देता है, . तथ्य यह है कि इस तरह की गोपनीयता में किया गया था, इस द्वीप को नक्शे से भी हटाए जाने के साथ, जापान के दुश्मनों के लिए अच्छी तरह से इसकी जानकारी नहीं थी. १६२६ और १६४५ के बीच कारखाने ने ६,००० टन सरसों और आंसू गैस का विकास किया. इन हथियारों को गुप्त रूप से विकसित किया गया था क्योंकि वे युद्ध में इस्तेमाल होने जा रहे थे. १६३७ से १६४५ के बीच दूसरा चीन–जापानी युद्ध हुआ था.१६३८ से १६४१ तक, जापानी सेनाओं ने ओकुन्शिमा जैसी जगहों पर विकसित घातक गैसों का उपयोग विनाशकारी प्रभाव के लिए किया था. केवल तीन वर्षों में रासायनिक हथियारों से ८०,००० से अधिक चीनी सैनिकों और नागरिकों को मार डाला गया था. इन घातक जहरों को विकसित करते समय, द्वीप के वैज्ञानिकों ने अपने प्रयोगों में सहायता के लिए बहुत सारे खरगोश लाए थे. उन्हें गुप्त रूप से पहुंचाया जाता था. वहां विकसित किए जा रहे गेस और जहर के प्रभाव में सुधार किया जाता था. यह सोचना अच्छा होगा कि इनमें से कुछ खरगोश परीक्षण से बच गए और यह उनके वंशज थे जो अब पूरे द्वीप में विचरण करते हैं. इस द्वीप पर खरगोशों की इतनी ज्यादा संख्या होने की एक और वजह का पता चला है. द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान रासायनिक हथियारों की प्रभावशीलता का परीक्षण करने के लिए इन खरगोशों को इस द्वीप पर लाया गया और छोड़ दिया गया. हालांकि, जापान सरकार का कहना है कि उन खरगोशों को उसी समय नष्ट कर दिया गया था. सरकार ये भी कहती है कि जो खरगोश अभी है उनका उस समय के खरगोशों से कोई लेना देना नहीं है. एक अन्य कहानी के अनुसार, साल १६७१ में कुछ स्कूली बच्चे यहां पिकनिक मनाने आए थे. ये बच्चे अपने साथ ८ खरगोश लेकर आए थे. आज इन्हीं खरगोशों की संख्या बढ़कर हजारों में हो चुकी है. इस द्वीप पर इतने खरगोशों की संख्या बढ़ने की मुख्य वजह इनका शिकार न होना भी बताया जाता है. इस द्वीप पर कुत्ते और बिल्ली जैसे जानवर नहीं पाए जाते हैं जो इनका शिकार करते हैं. इस आइलैंड पर कुत्ते बिल्ली लाना प्रतिबंधित है. ये द्वीप अब 'रैबिट आइलैंड' के नाम से जाना जाता है. इस द्वीप पर आने वाले पर्यटकों के लिए होटल और रेस्टोरेंट भी खुल गए हैं।

स्क्रैप पॉलिसी लागू कर पहला राज्य बना उत्तर प्रदेश

लखनऊ। उत्तर प्रदेश देश का ऐसा सबसे पहला राज्य बन गया है जिसने अपने यहां स्क्रैप प लिसी लागू की है। जिसके बाद प्रदेश में पुरानी गाड़ियां जो नहीं चलने लायक है। चेकिंग दस्ते और ऐसे अनफिट एवं खटारा वाहनों को जब्त कर कबाड़ (स्क्रैप) सेंटर के हवाले करेंगे। जिसके बाद स्क्रैप सेंटर पहुंचे वाहनों को बेच कर वाहनों के मालिकों को उचित कीमत दी जाएगी। इस प लिसी के लागू होने के बाद प्रदेश भर में स्क्रेप सेंटर खोले जाएंगे। आपको बता दे एक स्क्रैप सेंटर तीन एकड़ तक का होगा। लखनऊ के परिवहन आयुक्त धीरज साहू ने इस प लिसी को यूपी में तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया है। इस प लिसी के चलते अब १५ साल पुराने पेट्रोल और १० साल पुराने डीजल वाहन बिना फिटनेस सड़कों पर नहीं दौड़ सकेंगे। ऐसे वाहन बिना फिटनेस चलते पकड़े गए तो परिवर्तन दस्ते इन्हें अनफिट मानते हुए इन्हें जब्त करके स्क्रैप सेंटर के हवाले कर देंगे। जहां पर पकड़ी गई गाड़ियों को सौंप कर मालिको से सर्टिफि केट ले सकेंगे और उनके गाड़ियों की उचित कीमत भी उन्हें मिलेगी। इस प लिसी के लागू होने से वाहन संबंधी अपराध ों में भी कमी आएगी। प लिसी के लागू होने के बाद से कबाड़ हो चुके वाहन की कुल कीमत का छह फीसदी नकद पैसा मिलेगा। एक प्रमाण पत्र मिलेगा जिसे दिखाकर वाहन खरीद पर पांच फीसदी टैक्स में भी छूट हासिल होगी। विभाग की वेबसाइट पर छह तरह के लोग वाहन को स्क्रेप घोषित करने के लिए इस वेबसाइट **www-ppe-nsws-gov-in/scrappagepolicy** पर आवेदन कर सकेंगे। परिवहन विभाग ने अ नलाइन रजिस्ट्रेशन शुरू की है। इसमें कोई व्यक्ति, फर्म, संस्था, ट्रस्ट वेबसाइट पर जाकर आवेदन कर सकते हैं। आवेदन करते समय सौ रुपए के स्टांप पर चरित्र प्रमाण पत्र सहित अन्य जरूरी पत्रावलियों को भी अपलोड करना पड़ेगा।

समरसेबल चोरी में वांछित चल रहे युवक को पुलिस ने किया गिरफ्तार

लखनऊ। गोसाईगंज पुलिस ने समरसेबल चोरी के मामले में नामजद वांछित चल रहे अभियुक्त को किया गिरफ्तार युवक के कब्जे से एक समरसेबल क पर तार एक स्टार्टर एक सपोर्टर पुलिस ने किया बरामद पुलिस से प्राप्त जानकारी के मुताबिक गोसाईगंज पुलिस थाना क्षेत्र के अंतर्गत संदिग्ध वाहनों की चेकिंग कर रही थी तभी मुखबिर द्वारा सूचना मिली की समरसेबल चोरी के मामले में जो युवक इस मामले में वांछित है इस समय धौरहरा मोड़ पर मौजूद है सूचना मिलते ही पुलिस मुखबिर के बताए हुए स्थान पर जा पहुंची जहां पर संदिग्ध युवक पुलिस को दिखाई पड़ा शक होने पर पुलिस ने दौड़ा कर उसे मौके पर ही दबोच लिया नाम पता पूछने पर उसने अपना नाम बृजेश कुमार पुत्र शीतल निवासी ग्राम नेवाज खेड़ा थाना गोसाईगंज जनपद लखनऊ बताया पुलिस आरोपी को गिरफ्तार कर गोसाईगंज कोतवाली लेकर आई आरोपी के विरुद्ध विधिक कार्रवाई करते हुए जेल भेज दिया गया

सिक्ख समुदाय ने २३ को मतदान के लिए लिया संकल्प

लखनऊ। चारबाग बांसमण्डी स्थित एक निजी होटल में रविवार सुबह साहिब श्री गुरु गोविन्द सिंह सेवा समिति के बैनर तले एकजुट हुए सिक्खो ने आगामी २३ फरवरी को लखनऊ में होने वाले मतदान में सम्पुर्ण योगदान देने के लिए शत प्रतिशत मतदान करने और अपने आसपास लोगों को मतदान कराने का संकल्प लिया । इस दौरान अल्पसंख्यक आयोग सदस्य सरदार परविन्दर सिंह ने कहा कि पांच वर्षों की मोदी योगी सरकार में साहिब श्री गुरुग्रन्थ साहिब जी को ससम्मान विषम परिस्थितियों में अफगानिस्तान से भारत लाया गया जो कि इस सरकार में ही सम्भव हो सका इसके साथ ही इस सरकार ने सिक्ख हित में कई कार्य किय जिसके लिए हमसभी भाजपा की इस सरकार को धन्यवाद ज्ञापित करते है। इस दौरान लखनऊ गुरुद्वारा कमेटी के प्रवक्ता सरदार सतपाल सिंह, उपाध्यक्ष गुरुद्वारा नाका हरविंदर पाल सिंह, प्रधान गुरुद्वारा आलमबाग सरदार मनमोहन सिंह, उ प्र पंजाबी अकादमी लखविंदर सिंह समेत विभिन्न गुरुद्वारो के ज्ञानी समेत कई सरदार उपस्थित रहे ।

महिला सिपाही की हत्या तहसीलदार ने की, पत्नी समेत तीन गिरफ्तार

लखनऊ। पुलिस मुख्यालय में तैनात महिला आरक्षी रुचि चौधरी की हत्या की गई थी। रुचि की हत्या उसके परिचित तहसीलदार ने की थी। आरोपित तहसीलदार पद्मेश श्रीवास्तव प्रतापगढ़ के रानीगंज में तैनात है। पीजीआइ पुलिस ने आरोपित को उसकी पत्नी प्रगति और साथी नामवर सिंह के साथ गिरफ्तार किया है। पद्मेश की पत्नी को घटना के बारे में सारी जानकारी थी। पूछताछ में सामने आया है कि १२ फरवरी की रात में पद्मेश और नामवर सिंह ने रुचि को नशीला पदार्थ खिलाने के बाद उसकी गला घोंटकर हत्या कर दी थी। इसके बाद शव को नाले में फेंककर प्रतापगढ़ वापस लौट गए थे।रुचि और पद्मेश फेसबुक के जरिए संपर्क में आए थे। धीरे–धीरे दोनों में चौट के साथ–साथ फोन पर बातचीत होने लगी थी। कुछ दिन बाद ही दोनों की मुलाकात भी हो गई और वे करीब आ गए। रुचि का उसके पति अंकित गुप्ता से विवाद चल रहा था। अंकित भी सिपाही है और बरेली का रहने वाला है, जिसकी तैनाती प्रयागराज में है। अंकित रुचि से तलाक लेने वाला था। इध् ार, रुचि नजदीकियां बढ़ने के बाद पद्मेश पर शादी का दबाव बनाने लगी। दबाव बढ़ने पर पद्मेश ने रुचि को बताया कि वह शादीशुदा है। इसके बाद से दोनों में विवाद शुरू हो गया था। रुचि हर हाल में पद्मेश से शादी करना चाहती थी।

अक्सर दोनों का फोन पर झगड़ा होता था।इधर, पद्मेश ने पत्नी प्रगति को पूरी बात बता दी थी। बार–बार फोन आने से पद्मेश परेशान था और उसका पत्नी से भी आए दिन विवाद होने लगा था। घटना से कुछ दिन पहले रुचि ने पद्मेश को फोन किया था, जिसे प्रगति ने उठाया था। प्रगति ने रुचि से बात की थी। इस दौरान फोन पर दोनों में जमकर कहासुनी हो गई। इसके बाद पद्मेश ने रुचि की हत्या की साजिश रच डाली। इसके लिए उसने अपने परिचित नामवर सिंह को साजिश में शामिल किया। साजिश के तहत पद्मेश ने रुचि को फोन कर मिलने के लिए बुलाया था। रुचि अर्जुनगंज में किराए के कमरे में रहती थी। पद्मेश के बुलाने पर रुचि कैब पर पीजीआइ अस्पताल के सामने पहुंची थी। पद्मेश और नामवर गाड़ी लेकर उसका इंतजार कर रहे थे। रुचि के गाड़ी में बैठने पर आरोपितों ने उसे खाने के सामान में नशीला पदार्थ मिलाकर दे दिया था। कुछ देर में ही रुचि बेहोश हो गई थी। इसके बाद आरोपितों ने सांस की नली दबाकर उसकी जान ले ली थी। हत्या के बाद १२ फरवरी की रात में ही कल्ली स्थित माती में शव को नाले में फेंककर भाग निकले थे। पुलिस ने शव की शिनाख्त होने के बाद रुचि के फोन की काल डिटेल निकलवाई थी। पड़ताल में सामने आया कि रुचि की आखिरी बार फोन पर पद्मेश से बात हुई थी। इसके बाद पुलिस टीम प्रतापगढ़ पहुंची और आरोपित को उसकी पत्नी व साथी के साथ गिरफ्तार कर लिया।

रुचि ने वर्ष २०१६ में अंकित से प्रेम विवाह किया था। रुचि के बड़े भाई अंकित ने बताया कि उनकी बहन ने अपनी भाभी से फोन पर बात की थी। कुछ देर बाद फोन बंद हो गया था। अगले दिन घरवालों ने रुचि के साथ काम करने वाली महिला सिपाही को फोन कर उसके बारे में पूछा था। जानकारी न होने पर महिला सिपाही ने इंटरनेट मीडिया पर रुचि के लापता होने की पोस्ट डाली थी, जिसके बाद पुलिस अधिकारी हरकत में आए थे। उल्लेखनीय है कि गुरुवार शाम को नाले में अज्ञात महिला का शव मिला था, जिसकी शनिवार को रुचि के रूप में पहचान की गई थी।

हमारे अन्य प्रतिनिधि
lat; ckt ib
lhrkiqj
eks-9935160370
प्रियंका त्रिपाठी
नई दिल्ली
विधिक सलाहकार
lq'khy ukjk;.k feJ
क्षेत्रीय सम्पादक
lkjHk dqekj] fcgkj
eks-09386075289
मो० अरशद
C;wjks phQ
eऊ

टाइगर ३ में विलेन का रोल कर रहे हैं इमान हाशमी, सलमान और कैटरीना के साथ

मुंबई। सलमान खान और कैटरीना कैफ इन दिनों दिल्ली में टाइगर ३ की शूटिंग में व्यस्त हैं. कैटरीना कैफ शादी के बाद से इस फिल्म की शूटिंग में लगी हुई हैं. यहां बता दें कि पिछले कुछ समय से इस बात की चर्चा जोरों पर थी कि इस फिल्म में इमरान हाशमी निगेटिव रोल करने वाले हैं.

हालांकि इस पर अब तक पुष्टि नहीं हो पाई थी. अब अचानक सलमान,कैटरीना के साथ इमरान हाशमी भी एयरपोर्ट से निकलते हुए नजर आए तो इस खबर को और हवा मिल गई. बता दें कि टाइगर ३ सलमान खान की सुपरहिट टाइगर फ्रेंचाइजी की तीसरी फिल्म है.इस बारे में जब इमरान हाशमी से सवाल किया गया था तो उन्होंने कहा था कि मैं इसमें काम नहीं कर रहा हूं. इमरान हाशमी ने यह भी कहा था कि अगर ऐसा होता तो काफी अच्छा होता. लेकिन आप एयरपोर्ट में तीनों के एक साथ निकलने के बाद इस बात से तो इनकार नहीं किया जा सकता है कि टाइगर ३ में कैटरीना और सलमान के साथ इमरान हाशमी भी नजर आने वाले हैं. सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार इमरान हाशमी स्कूल में एक विलेन के रोल में नजर आएंगे. यह पहला मौका होगा जब इमरान हाशमी किसी ब्ल कबस्टर में नेगेटिव रोल में नजर आने वाले हैं.सलमान खान की टाइगर ३ की शूटिंग कोरोनावायरस के तीसरे लहर के कारण अटकी पड़ी थी. बता दे क्योंकि इस फिल्म में शाहरुख खान भी एक मेहमान कलाकार के रूप में नजर आने वाले हैं. सलमान खान की बात करें तो वे कभी ईद कभी दिवाली और बजरंगी भाईजान के सीक्वल में भी दिखाई देंगे. वही विकी कौशल से शादी करने के बाद कैटरीना कैफ दो बड़ी फिल्में फोन भूत और जी ले जरा में नजर आएंगी.

सनी लियोन के पैन कार्ड का प्रयोग कर लिया लोन, खुद अभेनेत्री ने ट्वीट कर दी जानकारी

मुंबई। पोर्न इंडस्ट्री छोड़कर बॉलीवुड में काम करना शुरू करने वाली अभिनेत्री सनी लियोन आज कई दिलों में राज करती है. ताजा मामला उन्हीं से जुड़ा है जिसकी जानकारी खुद सनी ने एक ट्वीट कर दी थी. सनी लियोन ट्वीट कर लिखा था कि कुछ बदमाशों

ने उनके पैन कार्ड का प्रयोग करते हुए २००० का कर्ज ले लिया. आगे सनी लियोन ने कहा कि इसके कारण उनका क्रेडिट्स को भी प्रभावित हुआ. उन्होंने इसके लिए इंडियाबुल्स सिक्योरिटीज पर मदद ना करने का भी आरोप लगा दिया. हालांकि सनी लियोन में थोड़ी ही देर में इस ट्वीट को डिलीट कर दिया लेकिन तब तक कई लोगों ने इसे देख लिया था. पहले ट्वीट के थोड़े अंतराल के बाद उन्होंने एक और ट्वीट किया. इस ट्वीट में सनी लियोन ने इंडियाबुल्स सिक्योरिटीज लिमिटेड को धन्यवाद दिया. उन्होंने कहा कि धन्यवाद. इस मामले को तेजी से हल करने और सुनिश्चित करने के लिए मैं आपका शुक्रिया अदा करती हूं और ऐसा फिर से कभी नहीं होगा. सनी ने कहा कि मुझे पता है कि आप लोग उन सभी का ध्यान रखेंगे जिन्हें ऐसी परेशानियों से गुजरना पड़ता है कोई भी खराब सिबिल से निपटना नहीं चाहता.सनी लियोन के ट्वीट के बाद कई लोगों ने उन्हीं के व ल पर अपने एक्सपीरियंस शेयर करने शुरू कर दिए. एक–एक कर कई लोगों ने कहा कि उनके क्रेडिट रिपोर्ट में भी ऐसी गड़बड़ी की गई है. लोगों का कहना था कि उनके रिपोर्ट में उस कर्ज को भी डाल दिया गया है जो उन्होंने कभी लिया ही नहीं है. लोगों का कहना था कि इससे ना सिर्फ उनका क्रेडिट इसको खराब हुआ है बल्कि एजेंट द्वारा कारण बताओ नोटिस का भी सामना करना पड़ रहा है.

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक आरती पाण्डेय द्वारा सांई आफसेट प्रिन्टर्स, 40 भवन भातखण्डे संगीत महाविद्यालय के पीछे, कैसरब,ग लखनऊ से छपवाकर एमआईजी 2/379 रश्मिखंड शारदानगर आशियाना लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।
आर.एन.आई
UPHIN/2010/32566
सम्पादक
आरती पाण्डेय
मो.9415087228
9889745884. 9807059191. 9026560178
Email-
adbhutsamachar@yahoo.in
adbhut_samachar@rediffmail.com
सभी विवादों का न्यायक्षेत्र लखनऊ होगा।

समाचार पत्र में छपी समस्त प्रकार की खबरों एवं लेखों का स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक आरती पाण्डेय से किसी भी प्रकार का कोई लेना देना नहीं है। समाचार पत्र में छपी खबर एवं लेख पत्रकारों के अपने निजी विचार हैं। समाचार पत्र से जुड़े समस्त पत्रकारों के पद अवैतनिक हैं। और वह सब स्वतंत्र पत्रकार हैं। प्रकाशक/सम्पादक